



प्रेस विज्ञप्ति / Press Release

18 मार्च / March, 2021

सिडबी द्वारा पंजाब में जेल कैदियों के कौशल उन्नयन के लिए ठोस कदम SIDBI takes concerted steps to skill jail inmates in Punjab

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के संवर्द्धन, वित्तपोषण और विकास में संलग्न प्रमुख वित्तीय संस्था, भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक ने असेवित/ अल्पसेवित क्षेत्रों को मुख्य धारा में लाने के अपने प्रयासों को जारी रखा है ताकि उन्हें कौशल प्रदान करके सशक्त बनाकर उन्हें उद्यमशीलता से लैस किया जा सके। इस संबंध में पंजाब राज्य के जेल कैदियों को कौशल प्रशिक्षण के माध्यम से सशक्त बनाया जा रहा है।

Small Industries Development Bank of India (SIDBI), the principal financial institution engaged in the promotion, financing and development of Micro, Small and Medium Enterprises (MSME), has continued its steps to mainstream the unserved/underserved segments by empowering them through skilling and equip them with entrepreneurial readiness. In this regard jail inmates in the state of Punjab are being empowered through skilling.

श्री सुखजिंदर सिंह रंधावा, कैबिनेट मंत्री, जेल और सहकारिता, पंजाब सरकार ने केंद्रीय जेल, भठिंडा के 35 जेल कैदियों के लिए बिजली मिस्त्री के कार्य में एक कौशल विकास कार्यक्रम का उद्घाटन किया। उक्त कार्यक्रम सिडबी द्वारा अपनी कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व गतिविधियों और मिशन स्वावलंबन के हिस्से के रूप में प्रायोजित किया गया है, जो उद्यमशीलता संस्कृति को अखिल भारतीय स्तर पर प्रेरित करने के लिए कार्य कर रहा है।

Shri Sukhjinder Singh Randhawa, Cabinet Minister, Jail and Cooperation, Government of Punjab inaugurated a Skill Development Programme in the trade of electrician for 35 Jail inmates of Central Jail, Bathinda. The programme is sponsored by SIDBI as part of its Corporate Social Responsibilities (CSR) activities and umbrella Mission Swavalamban, which is working to induce entrepreneurship culture, pan India.

सिडबी के उप प्रबंध निदेशक श्री वी सत्य वेंकट राव ने कहा, "मिशन स्वावलंबन के तहत यह हमारी दूसरी पहल है जहां हम समाज के वंचित और उपेक्षित वर्गों की आकांक्षाओं को समावेशी रूप से संबोधित करते हैं और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने में मदद करते हैं। हमें विश्वास है कि जब ये कैदी बाहर आयेंगे तो इनको प्रदान किया गया उचित कौशल प्रशिक्षण / उन्नयन और

स्वावलंबी के रूप में प्राप्त अनुभव इन जेल कैदियों की सामाजिक स्वीकृति के लिए एक दीर्घकालिक समाधान होगा” ।

Shri V Satya Venkata Rao, Deputy Managing Director of SIDBI said, “This is yet another initiative of ours under Mission Swavalamban where we continue to inclusively address the aspirations of left out segments of society and help them emerge AtmaNirbhar. We believe that appropriate skilling / upskilling coupled with exposure on being Swavalambani is a long term solution for acceptance of these Jail inmates, once they come out.”

श्री सुखजिंदर सिंह रंधावा ने सिडबी के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने नए जिला जेल, नाभा में खाद्य प्रसंस्करण के व्यापार में महिला कैदियों के लिए कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम में सिडबी के समर्थन के बारे में भी उल्लेख किया। उन्होंने आह्वान किया कि सिडबी द्वारा इस तरह की और पहल का समर्थन किए जाएं। इस कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए उन्होंने कैदियों को कार्य सीखने और जेल के भीतर मरम्मत का काम शुरू करने की सलाह दी और रिहाई के बाद उन्हें स्वयं की छोटी-छोटी सेवा इकाइयाँ शुरू करने का सुझाव दिया।

Shri Sukhjinder Singh Randhawa appreciated the efforts of SIDBI. He also mentioned about SIDBI support to skill training program for women prisoners in the trade of Food Processing at New District Jail, Nabha. He called upon SIDBI to support more such initiatives. While inaugurating the program he advised the prisoners to learn the trade and start repair work within the jail and after their release they should start small service units of their own.

श्री प्रवीण के सिन्हा, आई पी एस, एडीजी (कारागार), पंजाब सरकार ने इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए जेल के कैदियों की देखभाल और सुधारात्मक कार्रवाई की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने जेल के कैदियों के कल्याण के लिए कारागार विभाग, पंजाब सरकार द्वारा किए जा रहे विभिन्न प्रगतिशील और नवोन्मेषी उपायों के बारे में भी बताया। उन्होंने इस अलग तरह के प्रयत्नों के लिए सिडबी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया । उन्होंने पंजाब के एमएसएमई इकाइयों को वित्त-प्राप्ति की सुगमता के लिए सिडबी द्वारा किये गए प्रयासों की भी सराहना की।

Shri Praveen K Sinha, I.P.S, ADG (Prisons), Government of Punjab, while speaking on the occasion as the Guest of Honour, emphasised the need for care and corrective action for the jail inmates. He also spoke about the various progressive and innovative steps being undertaken by the Prison Department, Government of Punjab, for the welfare of the jail inmates. He thanked SIDBI for taking this differentiator step. He was also appreciative of the efforts of SIDBI on easing access to finance to MSMEs from Punjab.

श्री राहुल प्रियदर्शी, क्षेत्रीय प्रमुख, सिडबी, चंडीगढ़ ने ऐसे विकास कार्यक्रमों के लिए सिडबी के समर्थन का आश्वासन दिया। उन्होंने सिडबी द्वारा उद्यम पारितंत्र को मजबूत करने के लिए की गई विभिन्न पहलों को विस्तार से बताया। उन्होंने सूचित किया कि सिडबी द्वारा प्रत्यक्ष

रूप से सहायता प्राप्त उद्यमों ने उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है जिनमें से कुछ मध्यम और बड़े उद्यमों के रूप में भी विकसित हुए हैं।

Shri Rahul Priyadarshi, Regional Head, SIDBI Chandigarh assured the support of SIDBI for such developmental programmes. He also elaborated various initiatives taken by SIDBI for strengthening the enterprise eco system including notable performance of some of its directly assisted enterprises, some of whom have evolved as medium and large enterprises.

इस कार्यक्रम का आयोजन सिडबी की ओर से क्षेत्रीय उद्यमिता विकास (आरसीईडी) द्वारा अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (कारागार) पंजाब, के कार्यालय के सहयोग से किया जा रहा है। उद्घाटन सत्र में उपायुक्त बरनाला, डीआईजी पंजाब पुलिस, एसपी बठिंडा, एसपी सीआरपीएफ, जेल अधीक्षक भठिंडा और पंजाब पुलिस, सीआरपीएफ, जेल प्राधिकरण आदि विशिष्ट अतिथि और जिला प्रशासन के वरिष्ठ प्राधिकारी उपस्थित रहे।

The Programme is being organized on behalf of SIDBI by Regional Centre for Entrepreneurship Development (RCED) in collaboration with the office of Additional Director General of Police (Prisons) Punjab. The inaugural session was attended by Distinguished Guests like Deputy Commissioner, Barnala, DIG Punjab Police, SP Bathinda, SP CRPF, Jail Superintendent Bathinda and Senior Officers from Punjab Police, CRPF, Jail Authority and District Administration.

सिडबी के बारे में: 1990 में अपने गठन के बाद से सिडबी अपने एकीकृत, अभिनव और समावेशी दृष्टिकोण के माध्यम से समाज के विभिन्न स्तरों पर नागरिकों के जीवन को प्रभावित कर रहा है। सिडबी ने प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से विभिन्न ऋण और विकासात्मक उपायों के माध्यम से सूक्ष्म और लघु उद्यमियों (एमएसई) के जीवन को छुआ है, चाहे ये पारंपरिक व घरेलू छोटे उद्यमी हों; उद्यमिता पिरामिड के निम्नतम स्तर के उद्यमी हों अथवा उच्चतम स्तर के ज्ञान-आधारित उद्यमी हों। सिडबी 2.0 अपने साथ समावेशी, अभिनव और प्रभाव-उन्मुख संबद्धताओं की दृष्टि को लेकर चल रहा है।

अधिक जानकारी के लिए कृपया वेबसाइट <https://www.sidbi.in> पर जाएँ।

About SIDBI: Since its formation in 1990, SIDBI has been impacting the lives of citizens across various strata of the society through its integrated, innovative and inclusive approach. Be it traditional, domestic small entrepreneurs, bottom-of-the-pyramid entrepreneurs, to high-end knowledge-based entrepreneurs, SIDBI has directly or indirectly touched the lives of Micro and Small Enterprises (MSEs) through various credit and developmental engagements. SIDBI 2.0 carries the vision of inclusive, innovative and impact-oriented engagements.

To know more, check out: <https://www.sidbi.in>